- कुछ प्रमुख इतिहासकारों द्वारा ऐबक के विचार का प्रतिपादन की सुवचन प्रस्तुतीकरण :

*. विभिन्न इतिहासकारों द्वारा या उनकी दृष्टि से कुतुबुद्दिन ऐबक की उपलब्धियाँ :

- हबीबुल्लाह : हबीबुल्लाह के अनुसार उसमें तुर्कों की निर्मलता और फारसियों की परिष्कृत, अभिरूची और शालीनता थी।
- अबुल फजल : अबुल फजल ने ऐबक की प्रशंसा में लिखा है, कि उसने महान कार्य किया, उसे 4 वर्ष की अल्प शासनकाल में उसने शान्ति एवं व्यवस्था स्थापित की, उसकी सेना में तुर्क, गोरी, खुरासानी, खिलजी और हिन्दुस्तानी सैनिक थें। उसने अपनी प्रजा पर किसी प्रकार का अत्याचार नहीं किया।
- हसन निजामी : इन्होनें लिखा है कि कुतुबुद्दिन ऐबक अपनी प्रजा को समान रूप से न्याय प्रदान करता था। वह अपने राज्य की शक्ति और समृद्धि के लिए प्रयत्नशील था।
- इतिहासकार मिनहाज के अनुसार : इन्होनें लिखा है की ऐबक श्रेष्ठ भावनाओं से युक्त विशाल हृदयी बादशाह था। वह बहुत दानशील था। अपनी उदारता के कारण वह इतना दान करता था। समकालीन लेखकों ने उसे लाख बख्श (लाखों का दान देने वाला) और पील बख्श (हाथियों का दान देने वाला) की उपाधि प्रदान किया।
- लेखक व इतिहासकार फरिश्ता के अनुसार : किसी की दानशीलता की प्रशंसा करना होता था, तो लोग, अपने युग का कुतुबुद्दिन ऐबक पुकारते थें। गोरी के मृत्यु 1206 ई० में हुई थी। ऐबक उस समय दिल्ली में ही था और दिल्ली के मुस्लिम सामन्तों ने भी उसका नेतृत्व स्वीकार कर लिया था और ऐसा ही लाहौर में भी हुआ। परन्तु उसने सुल्तान पद की उपाधि धारण नहीं कि, उसने केवल मालिक और सिपहसालार की उपाधि का धारक बना।

- साहित्य क्षेत्र में कुतुबुद्दिन ऐबक की उपलब्धियाँ :

कुतुबुद्दिन ऐबक साहित्य और कला का संरक्षक था। तत्कालीन विद्वान हसन निजामी और फक्र-ए-मुदब्बिर उसके संरक्षक में था। हसन निजामी ने ताजुल मासिर और फक्र-ए-मुदब्बिर ने अदाब-उल-हर्ब-व-शुजाआत नामक ग्रन्थ की रचना की थी।